किसान की टोपी किसने ली?

लेखक : जोआन

किसान के पास एक टोपी थी, एक भूरी पुरानी टोपी.

उसे अपनी पुरानी टोपी से बेहद प्यार था!

फिर एक हवा का झोंका आया.

हवा टोपी को उड़ा कर ले गई.

किसान टोपी के पीछे-पीछे दौड़ा,

पर हवा उससे भी तेज़ दौड़ी.

फिर किसान अपनी टोपी को खोजने निकला.
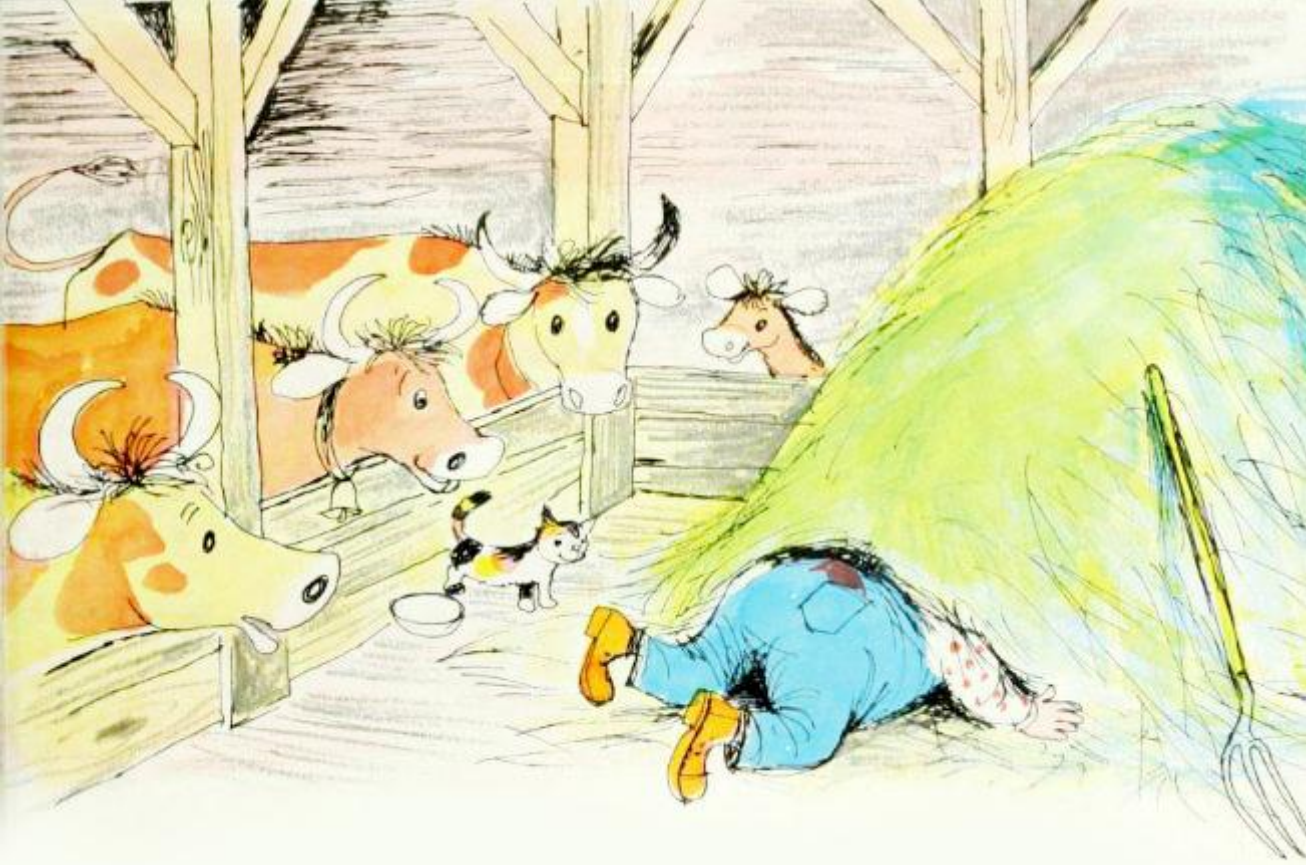
उसने यहाँ देखा, वहां देखा,
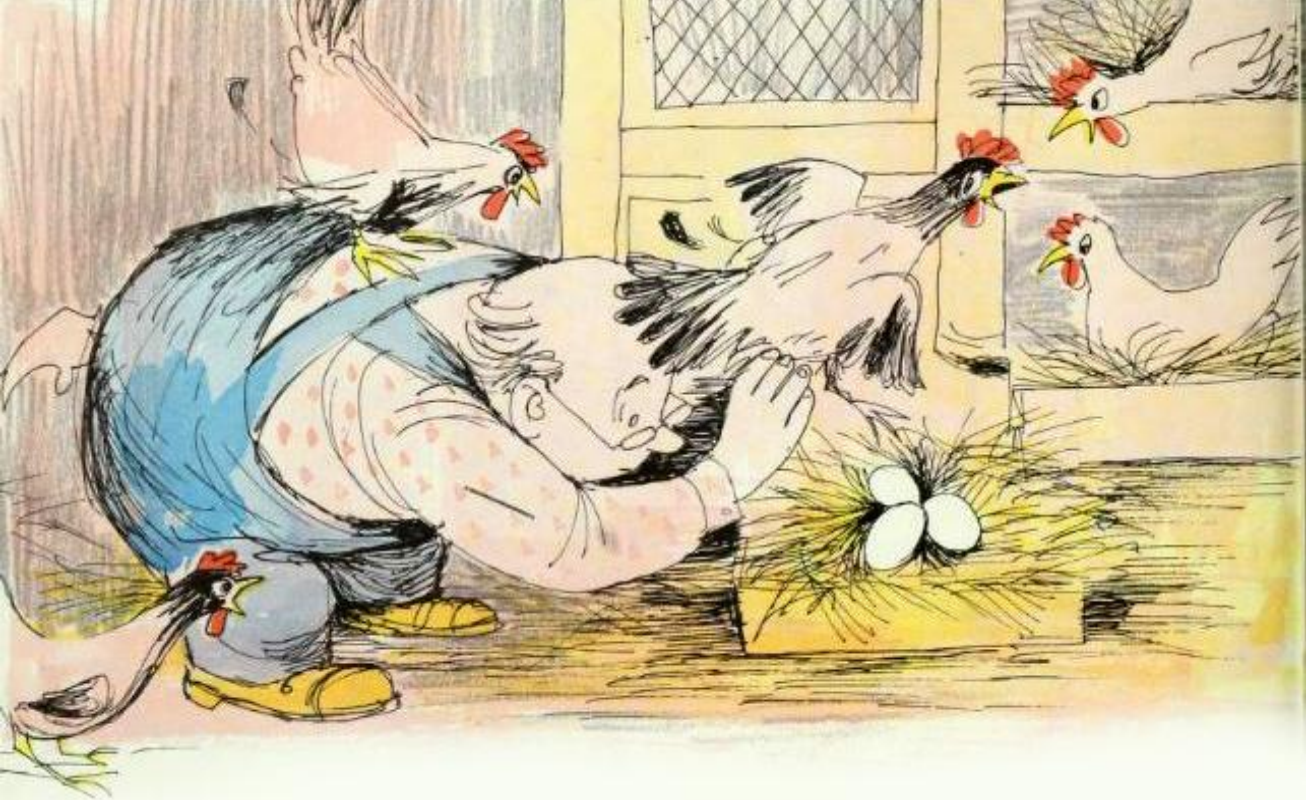
उसने सब तरफ देखा.

पर उसे अपनी भूरी टोपी कहीं नहीं मिली.

फिर उसे एक गिलहरी दिखी.

"क्या तुमने मेरी पुरानी, भूरी टोपी देखी है?" किसान ने पूछा.

"नहीं," गिलहरी ने कहा.
"पर मुझे अभी आसमान में एक
गोल भूरी चिड़िया ज़रूर दिखी.
उस चिड़िया के पंख नहीं थे."
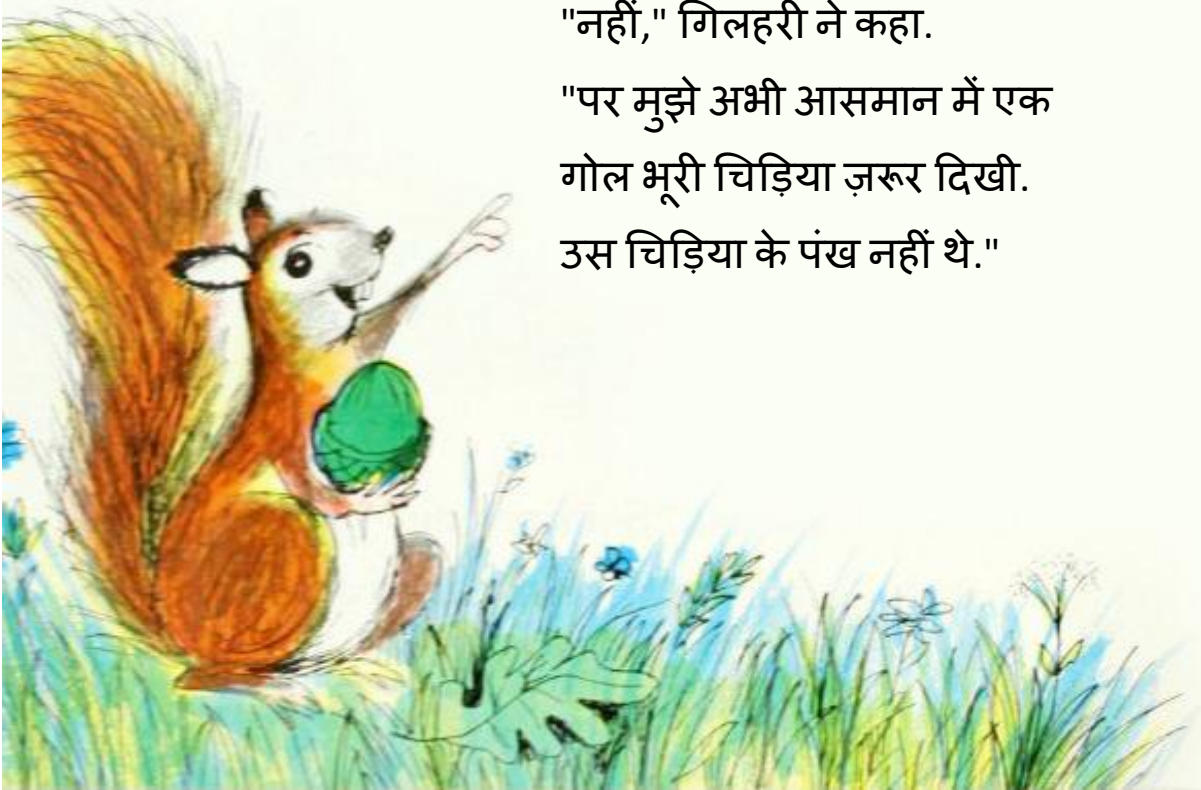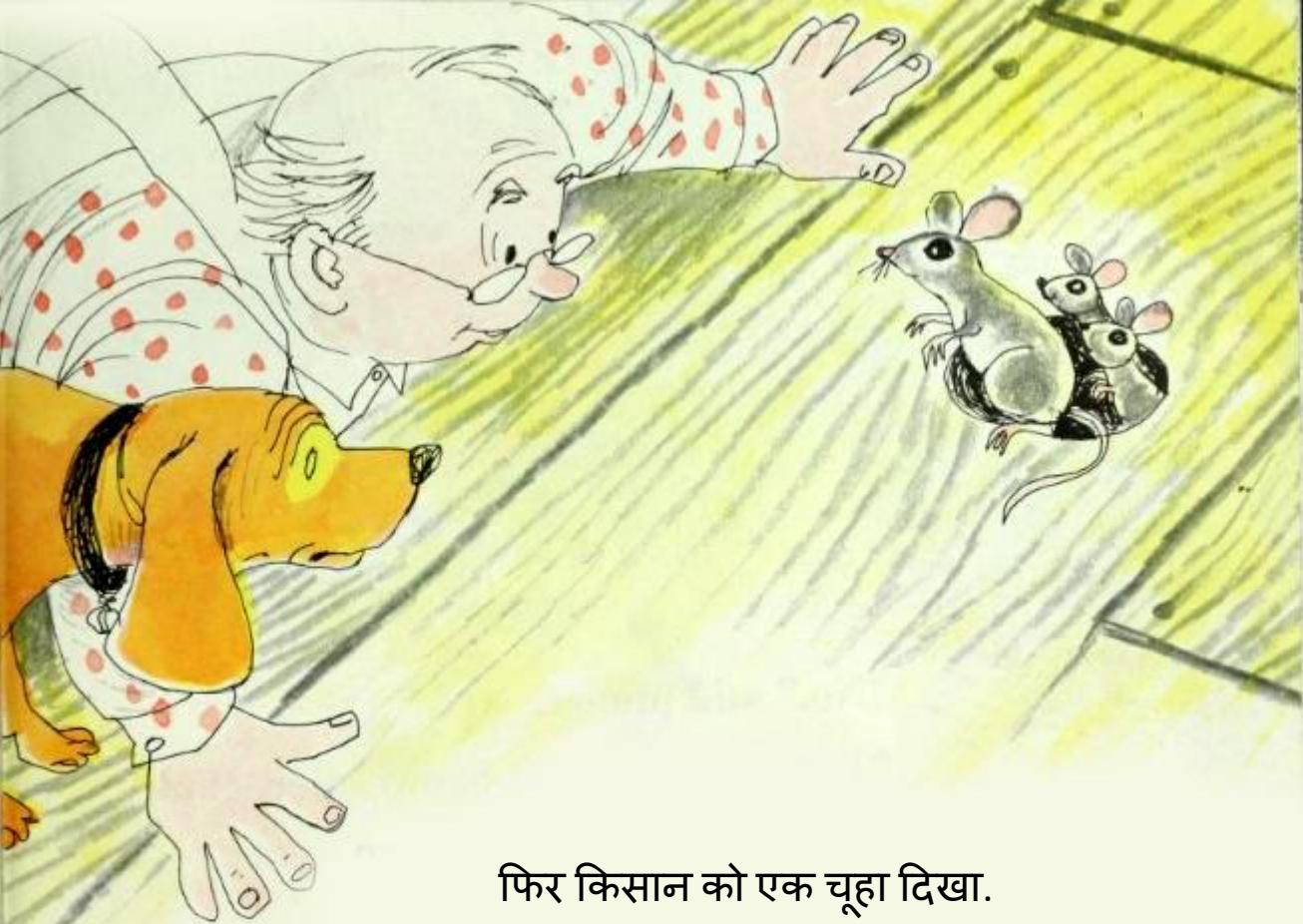
फिर किसान को एक चूहा दिखा.

"क्या तुमने मेरी पुरानी, भूरी टोपी देखी है?" किसान ने पूछा.
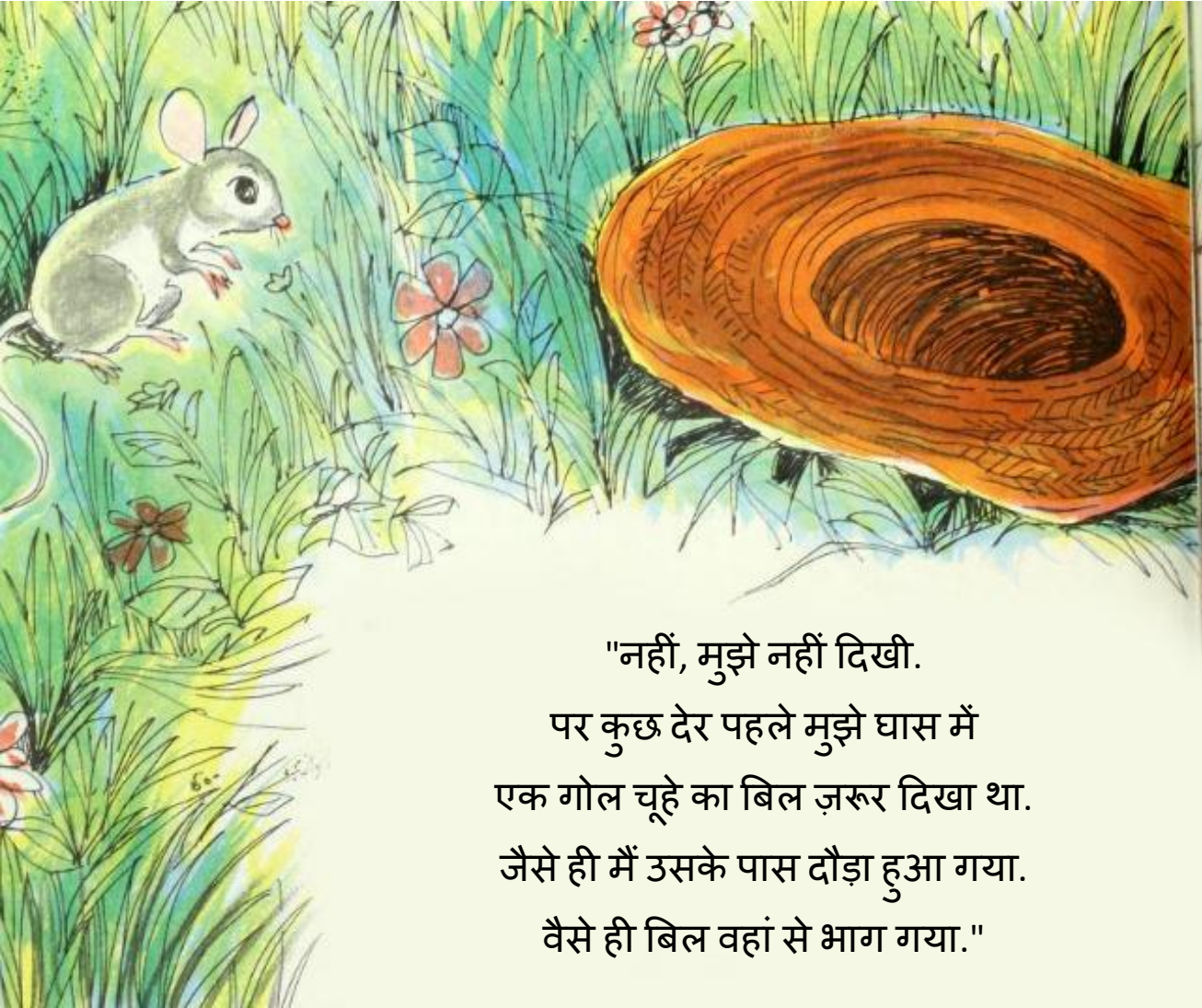
"नहीं, मुझे नहीं दिखी.
पर कुछ देर पहले मुझे घास में
एक गोल चूहे का बिल ज़रूर दिखा था.
जैसे ही मैं उसके पास दौड़ा हुआ गया.
वैसे ही बिल वहां से भाग गया."

फिर किसान को एक मक्खी दिखी.

"क्या तुमने मेरी पुरानी, भूरी टोपी देखी है?"
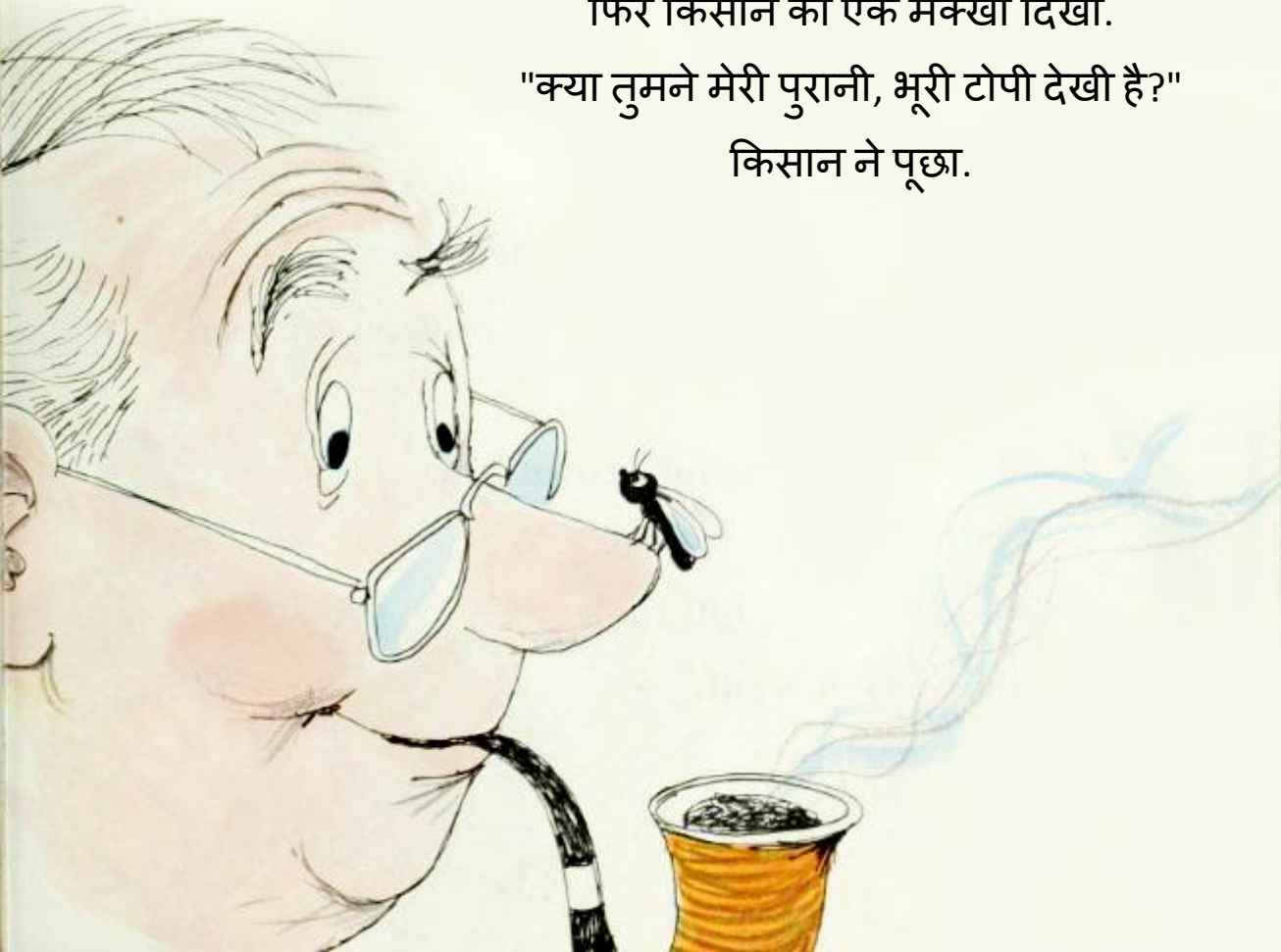
किसान ने पूछा.

"नहीं," मक्खी ने कहा.

"पर मुझे अभी

एक भूरी पहाड़ी ज़रूर दिखी थी.

वो पहाड़ी एक पेड़ के ऊपर थी.

फिर वो पहाड़ी न जाने कहीं उड़ गई.“

फिर किसान को एक बकरी दिखी.

"क्या तुमने मेरी पुरानी, भूरी टोपी देखी है?" किसान ने पूछा.

"नहीं, मुझे कोई टोपी तो नहीं दिखी.

हाँ, मुझे भूरे रंग का एक गमला ज़रूर दिखा.

जब मैं उसे खाने गई

तो हवा उस गमले को

न जाने कहाँ उड़ा कर ले गई."
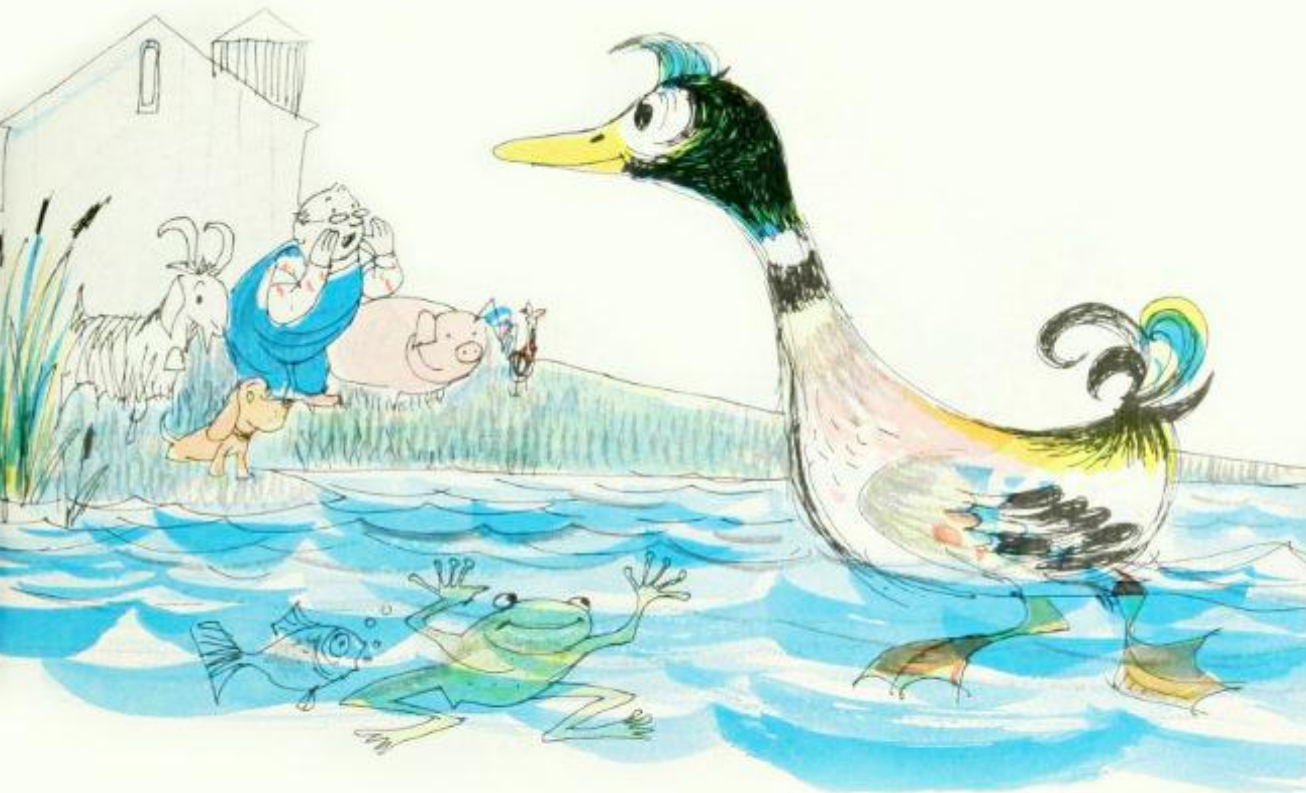
फिर किसान को एक बत्तख दिखी.

"क्या तुमने मेरी पुरानी, भूरी टोपी देखी है?" किसान ने पूछा.

"नहीं," बत्तख ने कहा.

"मुझे एक छोटी, गोल नाव तैरती हुई दिखी थी,

पर एक चिड़िया उसे उठा कर ले गई."

फिर किसान को चिड़िया दिखी.
"क्या तुमने मेरी पुरानी, भूरी टोपी देखी है?"
किसान ने पूछा.
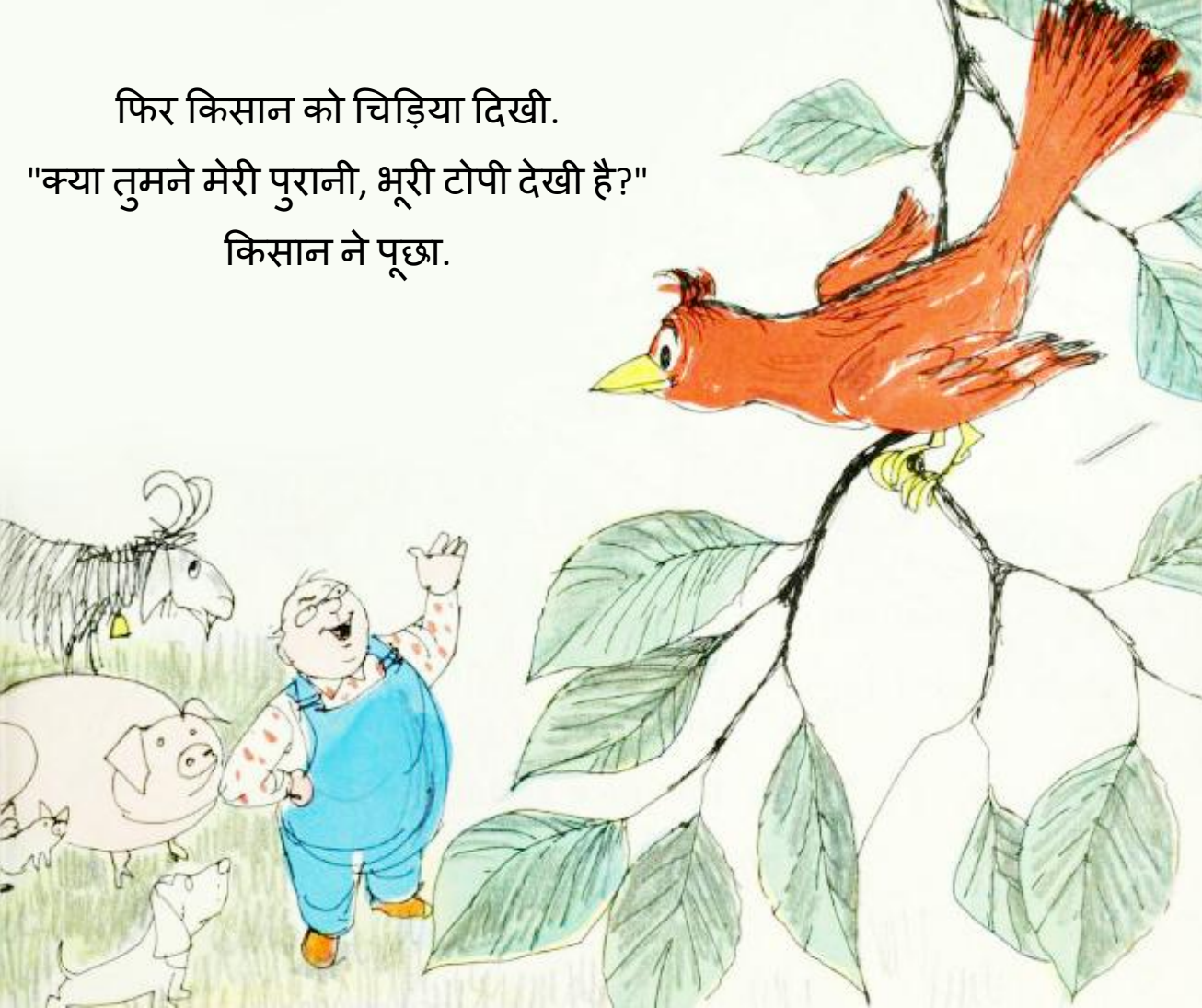
"नहीं," चिड़िया ने कहा,

"मुझे एक गोल, भूरे रंग का घोंसला ज़रूर दिखा.

पर कोई टोपी नहीं दिखी."
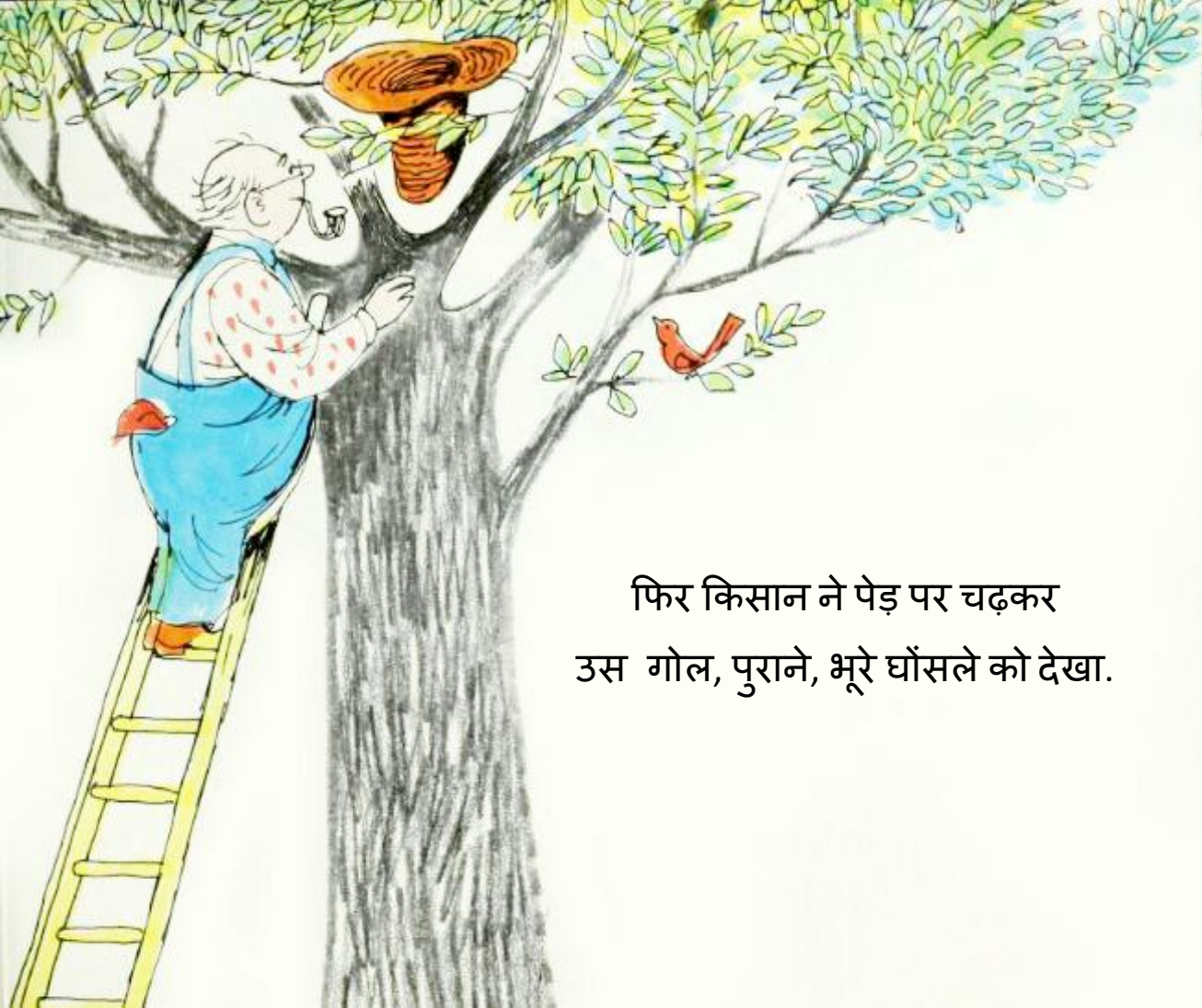
फिर किसान ने पेड़ पर चढ़कर

उस गोल, पुराने, भूरे घोंसले को देखा.
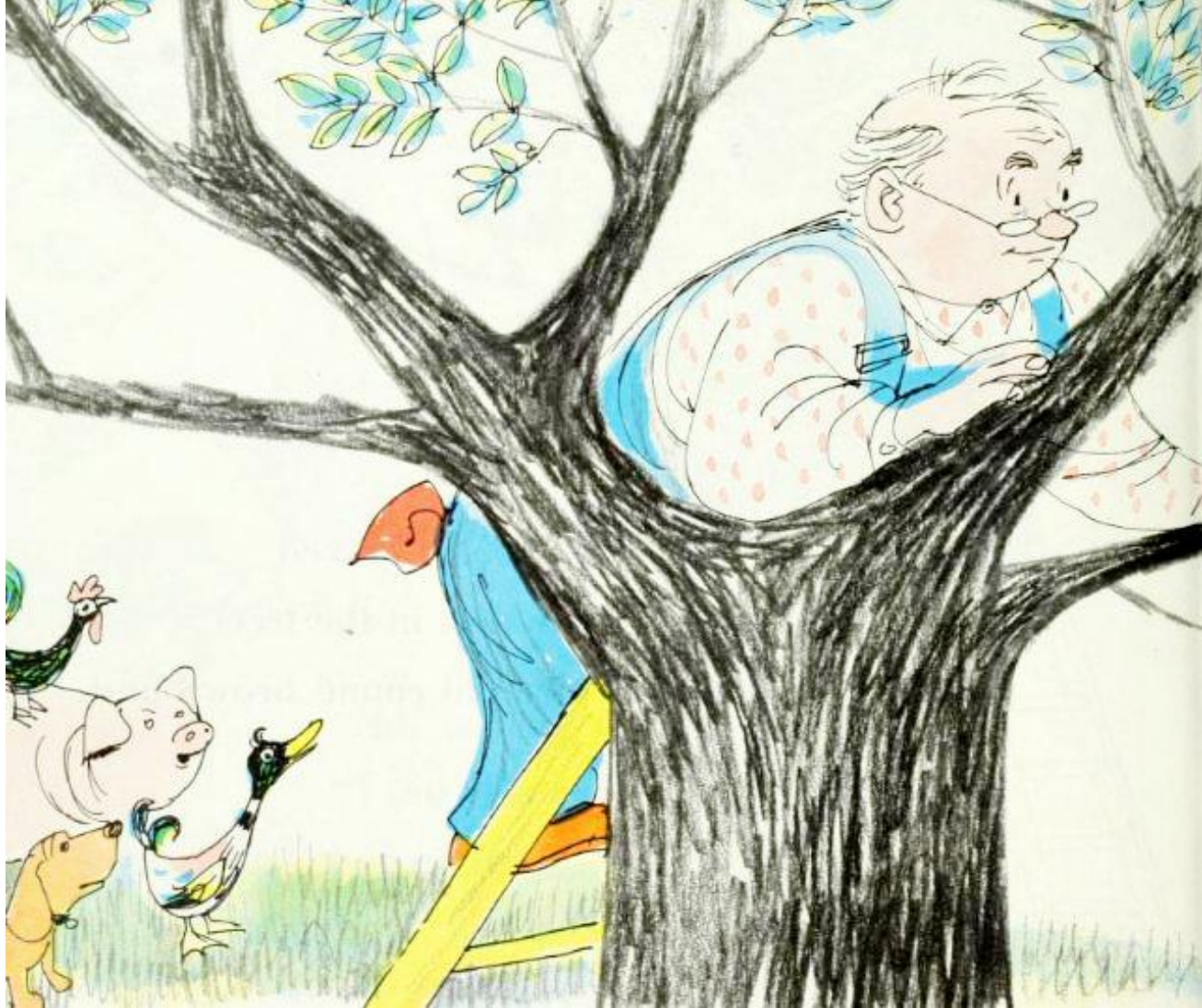
घोंसले के अंदर एक चिड़िया बैठी थी.

उसके अंदर एक अंडा भी था.

"अरे वाह!" किसान ने कहा.
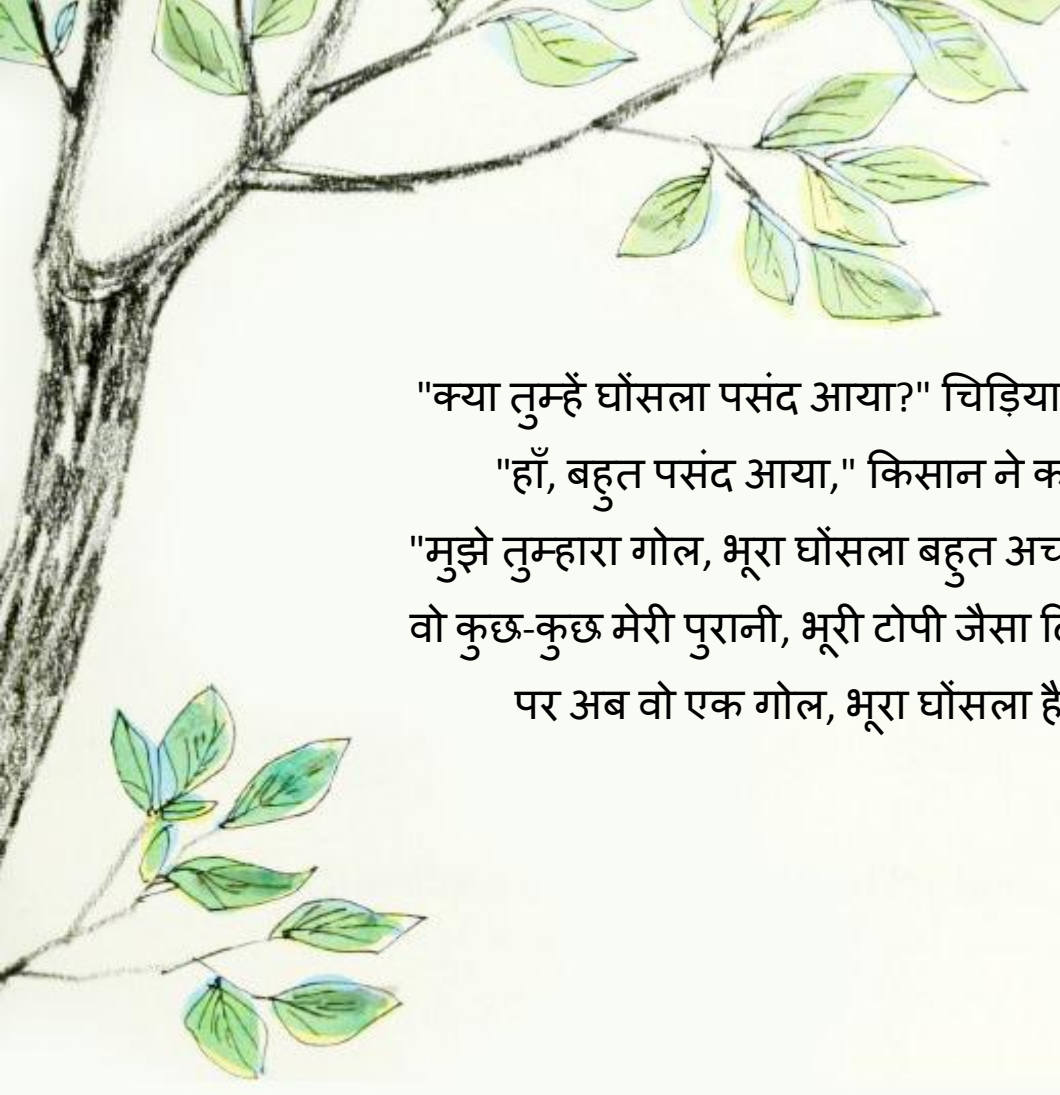
"क्या तुम्हें घोंसला पसंद आया?" चिड़िया ने पूछा.

"हाँ, बहुत पसंद आया," किसान ने कहा.

"मुझे तुम्हारा गोल, भूरा घोंसला बहुत अच्छा लगा.
वो कुछ-कुछ मेरी पुरानी, भूरी टोपी जैसा दिखता है.
पर अब वो एक गोल, भूरा घोंसला है."
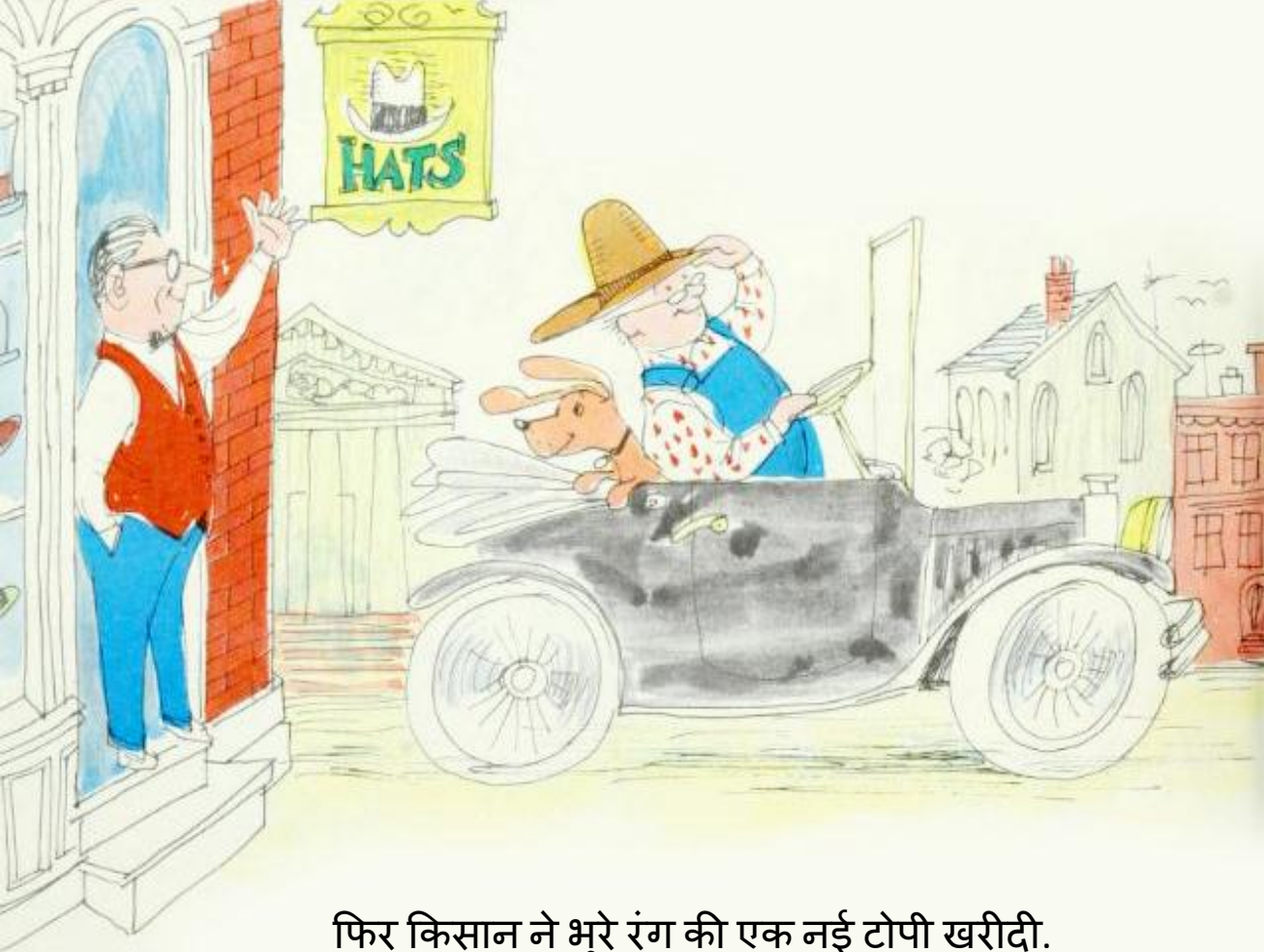
फिर किसान ने भूरे रंग की एक नई टोपी खरीदी.

उसे अपनी नई भूरे टोपी बहुत पसंद है.

चिड़िया को भी अपना भूरा,
गोल घोंसला बहुत पसंद है.
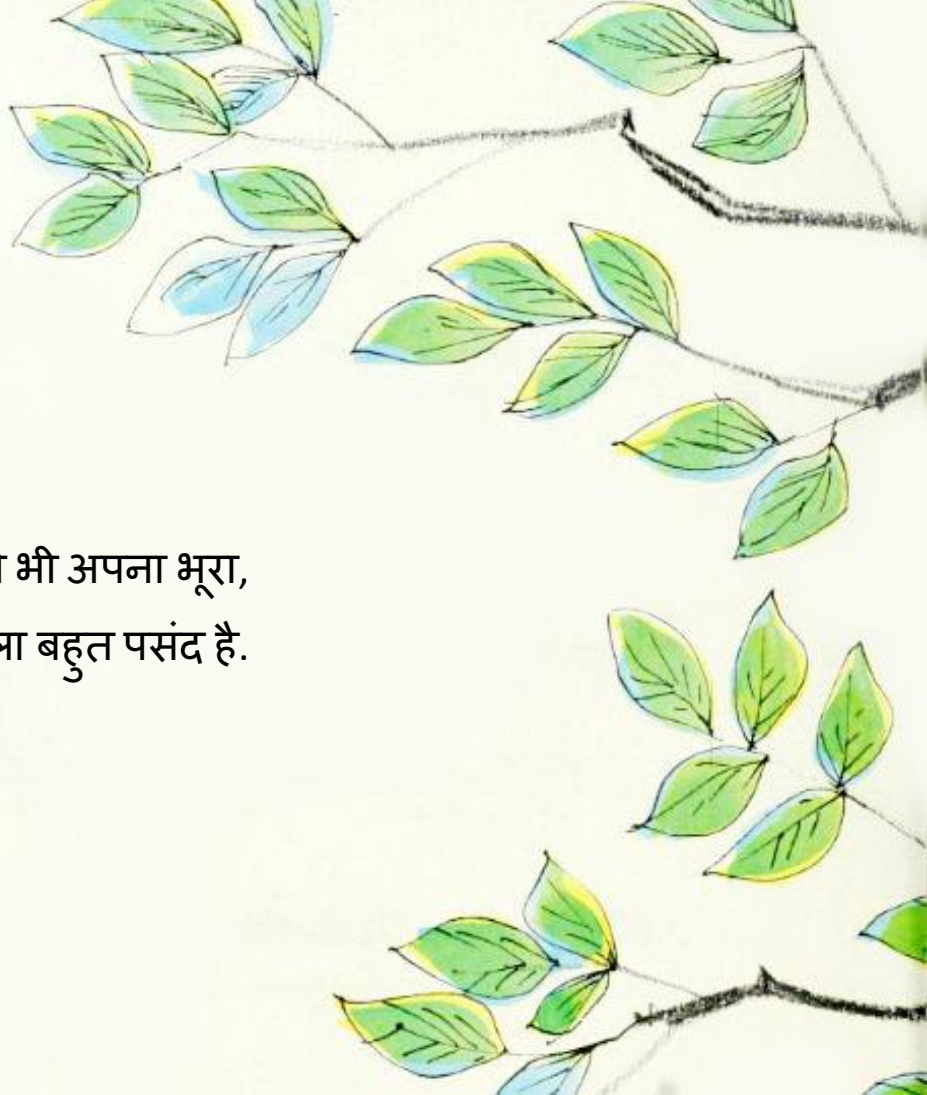
ज़रा देखो, किसान की टोपी हवा में फिर उड़ रही है.

अब क्या होगा?

कुछ मज़ेदार बात ज़रूर होगी!